

FOURTH SEMESTER (SCHEME-2006)
MODERN OFFICE MANAGEMENT
STENOGRAPHY-II (HINDI)

Time : One Hours

Maximum Marks : 100

- नोट: i) गद्यांश 300 शब्दों का है जिसे 60 शब्द प्रति मिनट की गति से 5 मिनट में डिक्टेड करना है।
 ii) अनुवाद केवल टाइपराइटर या कम्प्यूटर से करना है।
 iii) प्रश्न-पत्र परीक्षा उपरांत ही विद्यार्थियों में बांटा जाये।
 iv) सभी विद्यार्थियों को डिक्टेशन एक बार में ही दें।

कुछ माह पहले जैसी रेल की दुर्घटना बिहटा में हुई प्रायः वैसा ही या उससे भी अधिक भीषण कांड आज सुबह बमरौली में हुआ। कहा जाता है कि जिस समय लगभग 5 बजे सुबह बमरौली स्टेशन पर एक मालगाड़ी लूप लाइन पर ली गई, उस समय तूफान मेल के लिए सिगनल न गिराया गया था। इस समय घना कोहरा होने //1// के कारण मेल के ड्राइवर को कुछ दिखाई न पड़ा। जैसे ही मालगाड़ी रुकने वाली थी वैसे ही तूफान मेल का आमना-सामना होने से दोनों गाड़ियाँ बुरी तरह से लड़ गयीं। फलतः उसी समय कई आदमी सदा के लिये

70

सो गये और बहुतसे इस प्रकार से घायल हो गये कि उनका बिल्कुल अच्छा होना हमेशा के लिये असम्भव सा //2// हो गया है।

2 मिनट

इस समय बमरौली से सर्वप्रथम डिवीजनल सुपरिन्टेन्डेन्ट को सूचना कर दी गई है और वे सबसे पहले घटनास्थल पर पहुँचे। इसके बाद लगभग 7 बजे एक रिलीफ ट्रेन वहाँ पहुँच गई। तत्पश्चात् मोटर वालों से खबर मिलने पर शहर में यह समाचार उसी प्रकार फैला जिस प्रकार से जंगल में आग फैलती है, फिर क्या था //3// इधर-उधर से स्वयं सेवकों के दल जिस किसी प्रकार बन सका उसी प्रकार पीड़ितों की सहायता के लिये पहुँचे। इन सबने सबसे पहले मुर्दों और घायलों को निकालकर आवश्यक प्रबन्ध किया। जो सख्त घायल थे उनके लिये भी यथोचित प्रबन्ध कर दिया गया।

3 मिनट

इसी समय हजारों आदमी इस दर्दनाक दृश्य को देखने और यह जानने के लिये पहुँचे कि //4// यह रेल दुर्घटना किस प्रकार और किस कारण से हुई थी। इस सम्बन्ध में सरकारी तौर से भी जाँच प्रारंभ कर दी गई है। जिनकी जान किसी प्रकार से भी बच सकी थी उनके चेहरों की ओर गौर करके देखने से मालूम होता था कि वे सब अनन्य भक्ति से ईश्वर की धन्य-धन्य मना रहे थे। //5//

4 मिनट

5 मिनट

71

